वीडियो वायरल तमाशबीन बने रहे लोग, कुछ समय के लिए यातायात भी हो गया बाधित

बीच सड़क दो युवतियों में जमकर हाथापायी

अनूपपुर, नवभारत 17 जनवरी। जिले की कानून व्यवस्था और सामाजिक मर्यादा पर सवाल खड़े करने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो जिले के राजेंद्रग्राम थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है, जिसमें बीच सड़क पर दो युवतियों के बीच जमकर गुत्थम-गुत्थी होती नजर आ रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार व्यस्त सड़क पर किसी बात को लेकर दोनों युवतियों के बीच पहले बहस हुई, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। दोनों युवतियां एक-दूसरे को सड़क पर पटकती और घसीटती रहीं, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित हो गया। सड़क पर वाहनों की कतार लग गई और मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई।

किसी ने भी बीच-बचाव करने की कोशिश नहीं की

हैरान करने वाली बात यह रही कि घटना के दौरान मौजूद लोग काफी देर तक तमाशबीन बने रहे और किसी ने भी बीच-बचाव करने की कोशिश नहीं की। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। सूत्रों के अनुसार मारपीट के पीछे आपसी विवाद या पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है, हालांकि घटना के वास्तविक कारणों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है।

क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म

वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं और लोग सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह कानून को हाथ में लेने की प्रवृत्ति पर चिंता जता रहे हैं। इस मामले में राजेंद्रग्राम थाना प्रभारी प्रकाशचंद्र कोल ने बताया कि वीडियो की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी, लेकिन वहां कोई भी व्यक्ति शिकायत दर्ज कराने के लिए सामने नहीं आया।

पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर कर रही जांच

पुलिस फिलहाल वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। वीडियो की सत्यता की पुष्टि के बाद संबंधित युवतियों की पहचान कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर बढ़ते आपसी विवाद और कानून के भय में कमी को उजागर किया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि ऐसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति खुलेआम कानून व्यवस्था को चुनौती देने का साहस नहीं कर सके।

गुणवत्तायुक्त शिक्षा सरकार की प्राथमिकता

राज्यमंत्री जायसवाल ने किया शासकीय हाईस्कूल भवन का लोकार्पण

अनूपपुर, नवभारत 17 जनवरी। मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना तथा विद्यालयों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर निवेश कर रही है ताकि विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल बनाया जा सके।राज्य मंत्री श्री जायसवाल जनपद कोतमा के ग्राम थानगांव में नवनिर्मित शासकीय हाई स्कूल भवन के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि लगभग 1 करोड़ 47 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह भवन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन का वातावरण मिलेगा।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग को समय पर निर्माण कार्य पूर्ण करने के लिए बधाई दी और शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को आधुनिक एवं गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान कर उनके सपनों को साकार करने में सहयोग करें।

शासकीय स्कूलों में बेहतर सुविधाएं कराई जा रहीं उपलब्ध

उन्होंने कहा कि वर्तमान में शासकीय विद्यालयों में निजी विद्यालयों की तुलना में अधिक सुविधाएं और बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों की स्थापना की जा रही है। उज्जैन की पावन भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण द्वारा सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने की परंपरा से प्रेरित होकर यह पहल की गई है, ताकि विद्यार्थी ज्ञान अर्जन कर जीवन में सफलता की नई ऊंचाइयों को छू सकें।

नगर पालिका भवन के उद्घाटन पर विवाद

पार्षद ने प्रक्रिया पर उठाए सवाल

अनूपपुर, नवभारत 17 जनवरी। नवनिर्मित नगर पालिका भवन अनूपपुर के उद्घाटन को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। वार्ड क्रमांक 5 की पार्षद संध्या राय ने नगर पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे नियमों की अनदेखी और मनमानी करार दिया है। उन्होंने इस संबंध में मुख्य नपाधिकारी को पत्र लिखकर आपत्ति दर्ज कराई है। पार्षद संध्या राय ने पत्र में उल्लेख किया है कि उन्हें 17 जनवरी को यह जानकारी मिली कि नव निर्मित नगर पालिका भवन का उद्घाटन 18 जनवरी रविवार को प्रस्तावित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे नगर विकास के विरोध में नहीं हैं और विकास कार्यों से उन्हें प्रसन्नता है, लेकिन किसी भी कार्य में निर्धारित प्रक्रिया और नियमों का पालन किया जाना आवश्यक है।

भौतिक सत्यापन नहीं कराया गया : संध्या राय

पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि भवन का अब तक भौतिक सत्यापन नहीं कराया गया है। इसके अलावा निर्माण से संबंधित बजट स्वीकृति, वित्तीय अनुमति और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के संबंध में भी परिषद सदस्यों को कोई जानकारी नहीं दी गई। पार्षद ने इसे गंभीर प्रशासनिक लापरवाही बताया है।

पार्षद संध्या राय ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में इस भवन या कार्यालय को लेकर किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न होता है या न्यायालय द्वारा कोई प्रतिकूल आदेश पारित किया जाता है, तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी कार्यालय प्रमुख एवं उपयंत्री बृजेश पाण्डेय की होगी।

हिन्दू सम्मेलन आज

अनूपपुर, नवभारत। जिला मुख्यालय स्थित पुरानी बस्ती के विख्यात रजहाधाम श्री हनुमान मंदिर परिसर में रविवार 18 जनवरी को विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन सामाजिक समरसता, एकजुटता और जातिवाद के विरुद्ध जागरूकता का प्रतीक बन रहा है। जिले के नगरों एवं ग्रामों में जनवरी-फरवरी तक बस्ती स्तर पर हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजन समिति द्वारा अनूपपुर नगर को चार बस्तियों में विभाजित किया गया है, जहां अलग-अलग तिथियों में हिन्दू सम्मेलन आयोजित होंगे।

5 छात्र निष्कासित, जांच पर छात्रों ने उठाए सवाल

आईजीएनटीयू में असम के छात्र से मारपीट का मामला, पुलिस ने नस्लीय एंगल नकारा

अनुपपुर, नवभारत 17 जनवरी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक में असम के एक छात्र के साथ हुई मारपीट की घटना ने तूल पकड़ लिया है। विश्वविद्यालय ने कार्यवाही करते हुए पांच छात्रों को निष्कासित कर दिया है, वहीं छात्रों ने जांच पर सवाल उठाए है।

शुरुआती तौर पर इस घटना की तुलना उत्तराखंड में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की हत्या से की जा रही थी, वहीं पुलिस जांच में इसे आपसी विवाद बताया गया है। दूसरी ओर कुछ छात्रों ने इसे विश्वविद्यालय परिसर में लंबे समय से चल रही एक कथित संगठित साजिश का हिस्सा बताते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

नस्लीय हमले के आरोप खारिज

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान ने स्पष्ट किया कि यह घटना किसी भी प्रकार की नस्लीय या क्षेत्रीय साजिश का परिणाम नहीं है, बल्कि सामान्य आपसी विवाद था। उन्होंने बताया कि पीड़ित छात्र की शिकायत में किसी प्रकार की नस्लीय टिप्पणी या गाली-गलौज का उल्लेख नहीं है। मेडिकल रिपोर्ट में भी नाक की हड्डी टूटने या गंभीर चोट की पुष्टि नहीं हुई है। एसपी के अनुसार विश्वविद्यालय में नॉर्थ-ईस्ट के करीब 25 छात्र अध्ययनरत हैं और अब तक नस्लवाद से जुड़ी कोई शिकायत सामने नहीं आई है।

यूनिवर्सिटी ने की सख्त कार्रवाई

घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने त्वरित कदम उठाते हुए पांचों आरोपित छात्रों को निष्कासित कर दिया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित छात्रों का आरोप-विवि में सक्रिय है एक गिरोह

इसी बीच कुछ पीड़ित छात्रों ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दावा किया है कि विश्वविद्यालय परिसर में बीते तीन वर्षों से एक संगठित गिरोह सक्रिय है, जिसमें एक छात्र और कुछ शिक्षक शामिल हैं। आरोप है कि ये लोग योजनाबद्ध तरीके से मामूली घटनाओं को क्षेत्रवाद और जातिवाद का रंग देकर निर्दोष छात्रों को झूठे मामलों में फंसाते हैं, फर्जी मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया सामग्री वायरल कराते हैं तथा बाहरी लोगों से प्रदर्शन करवाते हैं।

मधुमेह, रक्तचाप और एनीमिया की जांच

अनूपपुर, नवभारत। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत जिले में जेंडर कैंपेन नई चेतना 4.0 के तहत स्व सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया।

महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से हौसलों की उड़ान कार्यक्रम अंतर्गत 13 से 15 जनवरी तक ये शिविर आयोजित किए गए। जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका मिशन शशांक प्रताप सिंह ने बताया कि घरेलू एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के कारण महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य और पोषण की उपेक्षा कर देती हैं, जिससे एनीमिया, कमजोरी, कुपोषण और थकान जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। जानकारी, जांच और पोषण तक सीमित पहुंच इसके प्रमुख कारण हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया।

नि :शुल्क दवाइयां की गई वितरित

स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से ये विशेष शिविर विकासखंड अनूपपुर के ग्राम बदरा एवं परासी, विकासखंड जैतहरी के जैतहरी एवं सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र (डाइट भवन अनूपपुर), विकासखंड कोतमा के आजीविका भवन कोतमा, संकल्प व संकुल स्तरीय कार्यालय बिजुरी तथा पुष्पराजगढ़ विकासखंड के करपा एवं स्व सहायता समूह भवन राजेंद्रग्राम में आयोजित किए गए।

जीएसटी अधिकारी उड़ा रहे नियमों की धज्जियां

सार्वजनिक रूप से स्वच्छता मापदंडों की अवहेलना की, सरकार स्वच्छता अभियान पर करोड़ों रुपये कर रही खर्च

कोतमा नवभारत 17 जनवरी। एक ओर सरकार स्वच्छता अभियान पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं दूसरी ओर नियम बनाने और लागू करने वाले जिम्मेदार अधिकारी ही इसकी धज्जियां उड़ा रहे हैं। ताजा मामला कोतमा का है, जहां अनूपपुर जीएसटी विभाग के अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक रूप से स्वच्छता मापदंडों की अवहेलना करने का शर्मनाक मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार, अनूपपुर जीएसटी विभाग की एक टीम कोतमा थाने में खड़े एक ट्रक में लदे सामान के बिलों की जांच करने पहुंची थी। जांच प्रक्रिया के दौरान, विभाग के अधिकारियों ने शालीनता की सीमाओं को लांघते हुए कोतमा नगरपालिका द्वारा बनाई गई 'स्वच्छता विज्ञापन' वाली दीवार पर ही लघुशंका करना शुरू कर दिया।

दीवार पर लिखे थे स्वच्छता के संदेश

हैरानी की बात यह है कि जिस दीवार पर स्वच्छता के संदेश लिखे थे और लोगों को जागरूक करने के लिए विज्ञापन पेंट किए गए थे, उसी को अधिकारियों ने अपना निशाना बनाया। जब स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने इस हरकत पर आपत्ति जताई, तो संबंधित व्यक्तियों ने अपनी गलती मानने के बजाय रौब दिखाना शुरू कर दिया। उन्होंने खुद को जीएसटी विभाग अनूपपुर का अधिकारी बताते हुए मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की।

कोतमा नगर पालिका का किया अपमान

नगरपालिका कोतमा द्वारा शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर इन अधिकारियों की इस हरकत ने पानी फेर दिया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है अगर शिक्षित और उच्च पदों पर बैठे अधिकारी ही इस तरह का व्यवहार करेंगे, तो आम जनता से स्वच्छता की उम्मीद कैसे की जा सकती है? यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि कोतमा नगरपालिका के प्रयासों का अपमान भी है।

कार्रवाई की मांग

घटना के बाद सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर इन अधिकारियों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की मांग उठ रही है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और जीएसटी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थान पर गंदगी फैलाने और पद की गरिमा गिराने के आरोप में इन पर जुर्माना लगाया जाए।

आस्था व श्रद्धा का केंद्र बना एकादशी मुखी हनुमान मंदिर

अनूपपुर, नवभारत। देवों के देव महादेव को समर्पित सिद्ध बाबा धाम एवं एकादशी मुखी संकट मोचन हनुमान मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और भक्ति का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। अमलाई स्टेशन से महज आधा किलोमीटर की दूरी पर नगर परिषद वार्ड क्रमांक 5 अंतर्गत डूंगरिया टोला के ऊंचे पहाड़ पर स्थित यह दिव्य धाम अब केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि चमत्कारिक अनुभूतियों का जीवंत प्रतीक बन चुका है। इस पवित्र धाम में भगवान एकादशी मुखी संकट मोचन हनुमान जी एवं भगवान भोलेनाथ सिद्ध बाबा अलग-अलग मंदिरों में विराजमान हैं, जिससे श्रद्धालुओं को संपूर्ण तीर्थ दर्शन का अनुभव प्राप्त होता है। मंदिर की आध्यात्मिक ऊर्जा और धार्मिक वातावरण के कारण यहां प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना पूर्ण होती है।

मनरेगा के बजट में की जा रही कटौती : गुड्डू

अनूपपुर, नवभारत। जिला मुख्यालय में शनिवार को कांग्रेस पार्टी ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में एक दिवसीय उपवास एवं प्रदर्शन किया। यह विरोध महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में किए जा रहे कथित बदलावों तथा इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को लेकर किया गया।

नगर के इंदिरा चौक के पास आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से इस्तीफे की मांग की तथा इंदौर जल त्रासदी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों को बर्खास्त कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

मनरेगा से छेड़छाड़ बंद नहीं हुई तो करेंगे आंदोलन

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुड्डू चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार मनरेगा के बजट में कटौती कर और नियमों में बदलाव कर मजदूरों के कानूनी अधिकारों को कमजोर कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली इस योजना से छेड़छाड़ बंद नहीं हुई, तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी। गुड्डू चौहान ने इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से हुई 23 मौतों को गंभीर प्रशासनिक लापरवाही बताया।

प्रदर्शनी किसी भी मॉडल को प्रयोगात्मक रूप से चलाकर नहीं दिखाया गया, प्रदर्शनी स्थल पर मात्र 15 से 20 विद्यार्थी ही रहे उपस्थित

सिर्फ दिखावा बनकर रह गई मोबाइल साइंस प्रदर्शनी

जमुना-बदरा, नवभारत 17 जनवरी। विज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने और विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से बदरा स्थित विद्या निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल में लगाई गई मोबाइल विज्ञान प्रदर्शनी हकीकत में महज एक औपचारिक कार्यक्रम बनकर रह गई। पंपलेट में दर्शाए गए आकर्षण, इंटरएक्टिव मॉडल और व्यापक सहभागिता के दावे जमीनी सच्चाई से बिल्कुल विपरीत नजर आए।प्रदर्शनी स्थल पर मात्र 15 से 20 विद्यार्थी ही उपस्थित थे। न तो विद्यार्थियों में कोई खास उत्साह दिखा और न ही विज्ञान को लेकर जिज्ञासा पैदा करने जैसा वातावरण बन सका। भोपाल से वाहन के साथ पहुंचे राहुल पाटिल द्वारा बच्चों को केवल औपचारिक जानकारी दी गई, जो पूरी तरह से खानापूर्ति तक सीमित रही। किसी भी मॉडल को प्रयोगात्मक रूप से चलाकर नहीं दिखाया गया और न ही प्रश्न-उत्तर या संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया

अधिकांश मॉडल निष्क्रिय अवस्था में रहे

प्रदर्शनी में 'ऊर्जा के रूप', 'विद्युत ऊर्जा', 'ध्वनि को देखें' और 'ऊर्जा स्थानांतरण एवं संरक्षण' जैसे विषयों से जुड़े मॉडल लगाए गए थे, लेकिन अधिकांश मॉडल या तो निष्क्रिय अवस्था में रहे या केवल देखने तक सीमित थे। ध्वनि तरंगों, एसी-डीसी करंट, ऊर्जा रूपांतरण और संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक विषयों को जिस व्यावहारिक और अनुभवात्मक तरीके से समझाया जाना चाहिए था, वह पूरी तरह गायब रहा।

आयोजन की गंभीरता पर सवाल

जानकारी के अनुसार इस विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन जनजाति कार्य विभाग, अनूपपुर द्वारा किया गया, लेकिन विभाग का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर उपस्थित नहीं था। न निरीक्षण हुआ, न मार्गदर्शन और न ही किसी प्रकार की निगरानी, जिससे आयोजन की गंभीरता पर बड़े सवाल खड़े हो गए। गौरतलब है कि पूर्व में ऐसे आयोजनों का संचालन राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा भी किया जाता रहा है, लेकिन बदरा में हुआ यह आयोजन भी केवल कागजी औपचारिकता साबित हुआ।

सरकारी धन का हो रहा दुरुपयोग

पंपलेट में जिन अत्याधुनिक सुविधाओं, नवाचार, सहभागिता और अनुभव आधारित विज्ञान शिक्षा की बात की गई थी, उनका आयोजन स्थल पर कोई ठोस प्रमाण नजर नहीं आया। स्थानीय अभिभावकों और नागरिकों का कहना है कि यदि वास्तव में विज्ञान को विद्यार्थियों तक पहुंचाना है, तो ऐसे कार्यक्रमों में विभागीय अधिकारियों की सक्रिय भूमिका, गुणवत्तापूर्ण सामग्री और विद्यार्थियों की वास्तविक सहभागिता जरूरी है, विज्ञान प्रदर्शनी के नाम पर होने वाले ऐसे आयोजन केवल सरकारी धन के दुरुपयोग और दिखावे का माध्यम बनकर रह जाएंगे।

नर्मदा महोत्सव की तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा

अनूपपुर, नवभारत। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने शुक्रवार को अमरकंटक में प्रस्तावित नर्मदा महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महोत्सव का आयोजन सुव्यवस्थित, भव्य और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया जाए। कलेक्टर ने बताया कि 24 एवं 25 जनवरी को अमरकंटक में नर्मदा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस दौरान शोभायात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां संपन्न होंगी। बैठक में उन्होंने अमरकंटक की साफ-सफाई, महाआरती, कन्या पूजन, कन्या भोज आदि कार्यक्रमों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवागमन व्यवस्था, पार्किंग, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् बिजुरी, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

Phone / Fax No. : 07658-264242, Email : cmobijuri@mpurban.gov.in,

क्रं./1847 /न.पा./लो.नि./2026 — **ई - निविदा आमंत्रण सूचना** — बिजुरी, दिनांक :- 12/01/2026

एतद् द्वारा मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग मे केन्द्रीकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदार, पंजीकृत फर्म को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य की निकाय द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की गई है।

क्रं.	ई-निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7
01.	2026_UAD_475060_1	CONSTRUCTION OF GAUSHALA AT WARD NO 15	154.93 लाख	92468.00	12500.00	12-02-2026 (17:30 HRS)
02.	2026_UAD_475062_1	Construction of BT road and Culvertfrom Korja Road to Kenapara main road Ward 13	188.65 लाख	94326.00	10000.00	12-02-2026 (17:30 HRS)
03.	2026_UAD_475061_1	Construction of Box Culvertat Korja Nala at Ward 13	82.02 लाख	61516.00	12500.00	12-02-2026 (17:30 HRS)
04.	2026_UAD_475063_1	CONSTRUCTIONOF MEAT MARKET AT WARD NO 09	26.70 लाख	20031.00	5000.00	12-02-2026 (17:30 HRS)

01. निविदा प्रस्तुत करने संबंधी समस्त जानकारी वेबसाईट (https://mptenders.gov.in) में नि :शुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है।
02. बिड प्रस्तुतिकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी BID DATA SHEET व "KEY DATES" में देखी जा सकती है।
03. निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन केवल वेबसाईट में किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बिजुरी
जिला - अनूपपुर (म.प्र.)